अध्याय 4

uxj ikfydk vkj uxj fuxe

सीतापुर एक छोटा–सा शहर है। यहाँ के एक मोहल्ले में माध्यमिक शाला है जिसमें रमेश, राधिका और समीना पढ़ते हैं।

पिछले दो–तीन दिनों से बच्चों को काफी परेशानी हो रही थी। स्कूल के नल में पानी नहीं आ रहा था। स्कूल में पीने के लिए या हाथ धोने के लिए पानी नहीं था। आज सुबह जब बच्चे स्कूल में पहुँचे तो उन्होंने देखा कि कई लोग शाला के नल के पाईप को खोदकर निकाल रहे हैं और उसकी जगह नया पाईप बिछा रहे हैं। बच्चे बहुत खुश हुए कि अब उन्हें स्कूल में ही पीने का पानी मिलने लगेगा।

चि–4.1 पानी भरती हुई महिलाएँ

कक्षा में जब बड़ी बहन जी आई तो रमेश ने उनसे पूछा& "बहन जी, ये पानी का पाईप कौन सुधरवा रहा है? क्या हमें इसके लिए पैसे देने पड़ेंगे?"

बहन जी बोलीं, ''नहीं, नहीं? यह तो अपने नगर पालिका का काम है। मैंने अपने मोहल्ले के पार्षद से कहा था कि स्कूल में पानी नहीं आ रहा है पानी के लिए सब बच्चे परेशान हो रहे हैं। पार्षद द्वारा ही नगर पालिका के कर्मचारियों से बोलकर ये मरम्मत का कार्य करवाया जा रहा है।''

सब बच्चे नगर पालिका के बारे में जानना चाहते थे। सबके मोहल्ले में कोई–न–कोई समस्या थी। वे जानना चाहते थे कि नगर पालिका इस संबध में क्या–क्या कर सकती हैं।

vkb, irk djsa

1. आपके मोहल्ले के पार्षद (नगर पालिका के सदस्य) कौन हैं?
2. आपके शहर की समस्याओं का समाधान कौन–सी संस्था करती है?
3. आपकी नगर पालिका के अध्यक्ष का क्या नाम है?

बहन जी ने भी सबसे कहा कि वे अपने–अपने मोहल्ले की समस्याओं के बारे में बताएँ। राधिका बोली, ''बहन जी, हमारे मोहल्ले की गलियों में रात को लाईट नहीं जलती, बहुत अंधेरा रहता है और शाम के बाद चलने में हमें डर लगता है। वहाँ कई बार चोरियाँ भी हो चुकी हैं।''

रमेश बोला – '' बहन जी, हम तो झोंपड़ी में रहते हैं। हमारे मोहल्ले में लाईट तो जलती है, मगर सड़कें व नालियाँ नहीं बनी हैं। रास्ते में कीचड़ भरा रहता है। आने–जाने में दिक्कत होती है।''

कल्लू बोला & अरे, हमारे मोहल्ले में तो सीमेंट की सड़कें बनी हैं, नल में पानी बहुत कम आता है। दिन में वह केवल एक ही घंटा चलता है। पानी की बड़ी परेशानी है।''

''हमारे मोहल्ले में बाकी सब ठीक है, लेकिन सड़कों की सफाई नहीं होती, गंदगी इकट्ठी होती रहती है और बदबू आती है।'' सलमा बोली। इस तरह सब बच्चों ने अपने–अपने मोहल्ले की समस्याएँ सुनाई।

चित्र–4.2 नगर पालिका के कार्य

बहन जी ने बताया कि, हम अपने–अपने मोहल्ले से नगर पालिका के सदस्य चुनते हैं। उनका काम है कि अपने वार्ड की समस्याओं को नगरपालिका तक पहुँचाएँ और उसका हल करवाएँ। अगर हमारे यहाँ ऐसी कोई समस्या हो तो हमें अपने पार्षद से बात करनी चाहिए। उनसे कहना चाहिए कि वे हमारी समस्याओं को जल्दी ही हल करें।''

बच्चो, आप ने पिछले पाठ में ग्राम पंचायत के बारे में पढ़ा है। याद कीजिए, उसमें पंच और सरपंच कैसे चुने जाते है? नगर पंचायत, नगर पालिका या नगर निगम वैसे ही बनती है जैसे कि ग्राम पंचायत। ये तीनों ही स्थानीय संस्थाएँ जनसंख्या के आधार पर बनाई जाती हैं।

शहर गाँवों की तुलना में बहुत बड़े होते हैं और उसमें हजारों लोग रहते हैं। बड़े शहरों में तो लाखों लोग रहते हैं। वहाँ की साफ–सफाई, प्रकाश, पानी, सड़कें, नालियों आदि की व्यवस्था के लिए नगर पालिका या नगर निगम कार्य करता है।

नगर पालिका या नगर निगम के सदस्य बनने के लिये कम–से–कम 21 वर्ष की आयु आवश्यक है। नगर पालिका के सदस्यों की संख्या 15 से 60 होती है। इसी प्रकार नगर निगम के सदस्यों की संख्या 50से 150 होती है।

पूरे शहर को जनसंख्या के आधार पर वार्डों में बाँटा जाता है। शहर के वे सभी लोग जो 18 वर्ष या अधिक उम्र के हों, अपना मत दे सकते हैं। ये लोग अपने–अपने वार्डों में एक–एक पार्षद को पाँच वर्ष के लिए चुनते हैं। लोगों की समस्याओं को नगर निगम या नगर पालिका परिषद् में रखना, तथा उसका हल करवाना पार्षद का काम होता है, ये शहर के लिए विकास की योजनाएँ बनाने में और उन्हें लागू करवाने में मदद करते हैं।

सारे चुने गए पार्षद नगर पालिका या निगम की बैठकों में शामिल होते हैं। इन बैठकों की अध्यक्षता–नगर पालिका या नगर निगम के अध्यक्ष करते हैं। इन्हें भी सारे वार्ड के लोग अपना मत देकर चुनते हैं। नगर निगम के अध्यक्ष को महापौर कहते हैं।

नगर पालिका या नगर निगम की बैठक में शहर की समस्या, किए जानेवाले काम और आगे की योजना के बारे में चर्चा करते है। यहाँ अलग–अलग काम के लिए अलग–अलग समितियाँ होती हैं प्रत्येक समिति का एक अध्यक्ष होता है और 5 से 12 सदस्य होते हैं।

राज्य सरकार प्रत्येक नगर पालिका में एक मुख्य नगर पालिका अधिकारी नियुक्त करती है। ठीक उसी प्रकार नगर निगम में नगर निगम आयुक्त की नियुक्ति की जाती है। इन अधिकारियों का काम नगर पलिका, नगर निगम के निर्णयों को नियमानुसार लागू करवाना और नगर पालिका के कर्मचारियों के काम की देखरेख करना है।

क्र.	जनसंख्या	संस्था का नाम	अधिकारी	प्रमुख
1.	5 हजार से 20 हजार	नगर पंचायत	मुख्य नगर पंचायत अधिकारी	अध्यक्ष
2.	20 हजार से 1लाख	नगर पालिका	मुख्य नगर पालिका अधिकारी	अध्यक्ष
3	1 लाख से अधिक	नगर निगम	आयुक्त	महापौर

uxj ikfydk d dk;

1. पानी की व्यवस्था, सफाई की व्यवस्था, चिकित्सा की व्यवस्था करना।
2. सड़कों की व्यवस्था और सड़कों पर प्रकाश की व्यवस्था करना।
3. कांजी हाउस का प्रबंध करना।
4. जन्म और मृत्यु का लेखा रखना।
5. बाजार और मंडी की व्यवस्था।
6. बीमारी फैलने पर रोकथाम के लिए टीकाकरण करवाना।
7. समाज के कमजोर वर्गों को सुरक्षा प्रदान करना।
8. वाचनालय, पाठशाला, बाग–बगीचे, मनोरंजन की व्यवस्था करना।
9. सांस्कृतिक व शिक्षा संबंधी गतिविधियों का विस्तार करना।

vk; d lk/ku

1. निजी मकान, जमीन आदि पर सम्पति–कर लगाना।
2. पानी, बिजली, सड़कों और शहर की सफाई के लिए कर वसूलना।
3. दुकानों से कर लेना।
4. मनोरंजन कर लेना (फिल्म, सर्कस आदि पर)
5. सरकार से अनुदान प्राप्त करना ।
6. विज्ञापनों पर कर लेना ।
7. अचल संपत्ति पर राज्य सरकार द्वारा लिए गए कर का अंशदान ।

किसी शहर की जनसंख्या के आधार पर तय किया जाता है कि वहाँ नगर पंचायत, नगर पालिका या नगर निगम बनेगी। हरेक के अध्यक्ष व मुख्य कार्यपालन अधिकारी अलग होते हैं।

अभ्यास के प्रश्न

(अ) सही जोड़ी बनाइए–

d		[k
1. नगर पंचायत	–	15 से 60 तक
2. नगर पालिका	–	50 से 150 तक
3. नगर निगम	–	5 हजार से 20 हजार जनसंख्या तक
4. नगर पालिका के सदस्यों की संख्या	–	1 लाख से अधिक आबादी होने पर
5. नगर निगम के सदस्यों की संख्या	–	20 हजार से 1 लाख की आबादी होने पर

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. नगर पालिका के सदस्यों को कौन चुनता है ?
2. मुख्य नगर पालिका अधिकारी का क्या काम है ?
3. शहर के किसी मोहल्ले में पानी या सफाई आदि की कोई समस्या है, तो आप किससे कहेंगे ?
4. आप एक पार्षद होते तो अपने मोहल्ले में क्या–क्या करवाते ?
5. स्थानीय संस्थाओं के कौन–कौन से कार्य है ?
6. स्थानीय संस्थाओं की आय के क्या–क्या साधन है ?

(स) अपने पास के नगर की स्थानीय संस्था के बारे में निम्नांकित बातों का पता लगाइए–

1. शहर का नाम एवं जनसंख्या –
2. अध्यक्ष का नाम –
3. पार्षदों की संख्या –

IU3NC2